LANGUAGES

हिंदी (कक्षा 11)

सीखने के प्रतिफल	स्रोत/संसाधन	सुझावात्मक क्रियाकलाप/गतिविधियाँ (शिक्षकों द्वारा निर्देशित)
भाषाकौशल एवं दक्षता(पढ़ना, लिखना, सुनना और बोलना) • कहानी को फिर से अपनी अपनी तरह से लिख सकते हैं। • कहानी का अंत और शुरुआत नए तरीके से कर सकते हैं। • कहानी में आए विशेष शब्दों और वाक्यों को अपने ढंग से प्रयोग कर सकते हैं। • कहानियों की लेखन शैली में अंतर कर सकते हैं। • विधागत अंतर को समझ सकते हैं। • अभिनय के जरिए कहानी को अभिव्यक्त कर सकते हैं। (यह सब करते हुए आप कहानी लिखने की कला से वाकिफ़ हो रहे हैं।)	• संबंधितअधिगम सामग्री एनसीईआरटी के यूट्यूब चैनल औरएनआरओईआर (NROER)परभी देख सकते हैं। एनसीईआरटी की किताबों में दिए क्यूआर कोड (QR code)में भी आपको भी बहुत कुछ मिलेगा। https://youtu.be/X4I0jzxnmi4 (ये सबकुछ तो हमसब कर सकते हैं) • एनके लाइव .टी.आर.ई.सी. बातचीतकार्यक्रममें "कहानी पढ़ते हुए विषय" पर प्रोफ़सर संध्या सिंह द्वारा की गई चर्चाको देखें। https://www.youtube.com/watch?v=X4I0jzxnmi4&t=5s • अभिव्यक्ति और माध्यम में कैसे लिखे और कहानी पढ़े http://ncert.nic.in/textbook/textbook.htm?kham1=0-16 • आरोह भाग 2 http://ncert.nic.in/textbook/textbook.htm?lhar1=0-18	**आपमें भी एक कहानीकार है!** साथियों, इस कठिन समय में भी हमारे साथ अभी भी बहुत कुछ ऐसा है जिसे संजो लेना है। अगर ध्यान से देखें तो हमारे चारों ओर बहुत सी कहानियाँ बिखरी पड़ी हैं। ज़रूरत यह है कि इस एकांत में उन्हें सुनने की कोशिशकरें।कलम उठाइए और कुछ लिख भी डालिए।हर दिन एक कहानी। कुछ आप लिखें कुछ हम।चलिए कुछ तैयारी कर लें। सबसे पहले अपनी किताब की किसी भी एक कहानी को ले लीजिए। **पहला और दूसरा सप्ताह** (समझ कर सुनते, बोलते, पढ़ते और लिखते हुए • कहानी को पढ़कर अपने घर वालों और साथियों को सुनाया जा सकता है। कहानी को आप स्काइप (skype) पर रिकॉर्ड करके ईमेल भी कर सकते हैं। • कहानी में आए अलग प्रयोग वाले शब्दों और वाक्यों को रेखांकित करके अपनी दिनभर की बातचीत में प्रयोग कर कहानी का आनंद ले सकते हैं। • उसी लेखक की कुछ अन्य कहानियों को पढ़कर कहानी की लेखन शैली को समझ सकते हैं, जैसे— कुछ कहानियाँ संवादात्मक हैं, तो कुछ कहानियाँ वर्णनात्मक होती हैं। • कहानी को नाटक में बदल सकते हैं।अभिनय करके भी कहानी कही जा सकती है।अगर संभव हो तो यह भी लिखें कि कहानी को नाटक में बदलते समय आप किस तरह के भाषिक प्रयोगों पर बल देते रहे हैं। • इसके अतिरिक्त आपकी पढ़ी किसी भी कहानी की समीक्षा कर सकते हैं। समीक्षा के कुछ बिंदु-

		- कथानक और परिवेश - भाषा कहानीकला **तीसरा और चौथा सप्ताह** ● वर्तमान समय के अनुसार कहानी को बदल कर देखें। उदाहरण के लिए आज के करोना महामारी के समय में फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'पहलवान की ढोलक'को फिर पढ़कर देखिए। उस कहानी में भी एक महामारी का वर्णन हुआ है, साथ ही उस महामारी से निपटने में पहलवान की ढोलक पर उसकी थाप उस उदासी, निराशा और भयावहता के माहौल में एक संजीवनी का संचार करती है। यह कहानी कक्षा बारह की पुस्तक आरोह भाग 2 में शामिल है।आप इसे यूट्यूबपर भी खोज कर सकते हैं। ● अपनी पाठ्यपुस्तक की सभी कहानियों को इसी तरह पढ़ें।

हिंदी (कक्षा 12)

सीखने के प्रतिफल	स्रोत/संसाधन	सुझावात्मक क्रियाकलाप/गतिविधियाँ (शिक्षकों द्वारा निर्देशित)
● सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सजगता को सृजनात्मक लेखन में अभिव्यक्त करते हैं। ● परिवेशीय सजगता का विकास करते हुए अपने आस-पास के वेंडर, खेती-किसानी, मज़दूरों के प्रति संवेदना रखते हुए और भाषा प्रयोग में संवेदनशीलता और	● अभिव्यक्तिऔरमाध्यम http://ncert.nic.in/textbook/textbook.htm?kham1=0-16 ● कविता शिक्षण https://www.youtube.com/watch?v=nILz_E1J7Ac	**पहला और दूसरा सप्ताह** करोना महामारी के समय में शारीरिक/सामाजिक दूरी बनाए रखते के लिए नई कहावते प्रयोग की जा रही हैं, जैसे— **सटे तो मिटे, पसंद नहीं कब्र तो घर पे करो सब्र।** ऐसे कुछ अन्य कहावतों को संकलित करें और आप स्वयं भी कुछ कहावतें, स्लोगन लिखने का प्रयास करें। ● स्लोगन की लयात्मकता को ध्यान में रखते हुए कोई कविता लिखने का प्रयास करें। आप यह भी कर सकते हैं कि सुबह उठकर अपने आस-पास होने वाली गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन करें और सभी गतिविधियों को ज्यों का त्यों अभिव्यत करें। यानि जैसा आपने देखा वैसा ही लिखने का प्रयत्न आप पाएँगे कि यह एक कविता का रूप ले चुकी है।

अभिव्यक्तकरते हैं। ● अपने समय और समाज में प्रयुक्त होने वाली भाषा और घटनाओं का विश्लेषण करते हैं।		हर बड़ा कवि भाषा से खेलते हुए यह करता रहा है। वह भाषा से खेलते हुए शब्दों को उलटता-पलटता है यानि अलग-अलग स्थानों पर नए-नए प्रयोग करके देखता है। साथ ही नए तरीके से वाक्य की संरचना कर नए अर्थ निर्माण करता है। यानी एक ही बात को कहने और लिखने के अलग-अलग तरीके ढूढ़ते हुए आप भी यह कर सकते हैं। ● सब्जीवाले, दूधवाले, अखबार वाले से बातचीत कर सकते हैं। कुछ बिंदु इस प्रकार हो सकते हैं— ✓ पहले और आजकल की आमदनी और खर्च में अंतर। ✓ लोगों तक सामान पहुँचाने की पूरी यात्रा के विवरण पर बातचीत। ✓ उनके जैसे अन्य सहयोगी की दिनचर्या जानने की कोशिश करना। ✓ शरीरिक दूरी का अपने जीवन में कैसे (सामाजिक दूरी) निर्वाह करते हैं। (जो आपको उचित लगे ऐसे कुछ अन्य बिंदु लें) **तीसरा और चौथा सप्ताह** ● अपने मोहल्ले को ध्यान में रखते हुए 'मोहल्ला लाइव' नाम से एक हफ्ते के सभी दिनों की डायरी लिखने की कोशिश करें। जिसमें इन बिंदुओं पर ज़रूर लिखें— ✓ लॉकडाउन के कारण बदलता परिवेश, आपसी रिश्ता, खान-पान,रहन-सहन और सामाजिक संपर्क के साधन। आप चाहें तो अपने घर-परिवार, मोहल्ले के लोगों से सामाजिक दूरी का पालन करते हुए बात कर सकते हैं। ● वर्तमान समय में घरेलू सहयोगियों के जीवन पर अपनी कल्पना से कोई लेख/कहानी/कविता लिख सकते हैं। ● ध्यान रहे कि जो कुछ आपने लिखा है उसे थोड़ा रुककर एक बार पढ़ें और जहाँ कही आवश्यक हो उसे संपादित भी करें। अपने लेखन का संपादन करते समय भाषा संबंधी गलतियों पर तो ध्यान देने के साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि आपकी लिखी हुई रचना लिखने के बाद सिर्फ आपकी नहीं रह जाती उसका एक पाठक भी होता है। यानी पाठक की संवेदनाओं, आवश्यकताओं, समस्याओं और अभिरुचियों पर भी आपका ध्यान जाना चाहिए।